Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-411

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019
B.A. with Yoga Science, (Semester : Fourth)
Sanskrit (Paper : First)
संस्कृत–व्याकरणम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहसत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ''महत्'' तथा ''वचस्'' शब्दों के रूप लिखिए।
2. ''अजाद्यतष्टाप्'' तथा ''उगितश्च'' सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
3. समास का अर्थ बताते हुए कर्मधारय समास का सोदाहरण परिचय प्रस्तुत कीजिए।
4. ''भावे'' तथा ''उदितो वा'' सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए –
   ''विपत्ति के समय अपने मन को स्थिर रखना धैर्य कहलाता है। मन चंचल है, अतः विपत्ति के समय वह और अधिक चंचल हो उठता है। धैर्य ही वह गुण है, जो विपत्ति में मनुष्य को सही मार्ग दिखाता है। धैर्यवान् मनुष्य विपत्ति-काल में शान्तिपूर्वक अपने कर्त्तव्य का निश्चय करता है। जीवन में सफलता के लिए धैर्य को धारण करना अत्यावश्यक है।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. ''राजन्'' शब्द का रूप प्रथमा से पञ्चमी विभक्ति पर्यन्त लिखिए।
2. विग्रह कीजिए (कोई पाँच) –
   भयप्राप्तः।, पितृतुल्यः।, गोहितम्।, दशाननः।, सानुजः।, कृतकृत्यः।, पञ्चपात्रम्।
3. अधोलिखित पदों में प्रयुक्त प्रत्यय बताइये – (कोई पाँच) –
   ''भोक्तुम्।, जयः।, प्रश्नः।, स्तुतिः।, कृतिः।, करः।, विघ्नः।
4. ''स्वपो नन्'' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
5. ''धनुष्'' शब्द का रूप प्रथमा से पञ्चमी विभक्ति पर्यन्त लिखिए।
6. हिन्दी में अनुवाद कीजिए –
   ''मम विश्वविद्यालयः हरिद्वारनगराद् बहिः एकान्ते सुन्दरे च प्रदेशे स्थितोऽस्ति। विश्वविद्यालयस्य भवनं निरीक्ष्य चेतो नितान्तं हर्षमनुभवति। अस्माभिरत्रैव अध्ययनं क्रियते, सदाचारस्य पाठः पठ्यते, विनयस्य शिक्षणं गृह्यते, देशभक्तेश्च भावनाऽत्रैव प्राप्यते। किमन्यत्, जीवनस्य यत् कर्तव्यमस्ति, तत् सर्वमपि अत्रैव लभ्यते।।''

खण्ड–ग
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. "पयस्" शब्द का द्वितीया विभक्ति द्विवचनान्त रूप है ?
   (अ) पयसी (ब) पयसौ
   (स) पयसे (द) इनमें से कोई नहीं
2. "राजन्" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचनान्त रूप है ?
   (अ) राज्ञेन (ब) राजेन
   (स) राज्ञा (द) राज्ञे
3. "राज्ञः" पद में विभक्ति तथा वचन हैं ?
   (अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन (ब) पंचमी विभक्ति, एकवचन
   (स) अ एवं ब उक्त दोनों हैं (द) उक्त दोनों नहीं हैं
4. "देवालयः" में समास है ?
   (अ) तत्पुरुष (ब) कर्मधारय
   (स) द्विगु (द) बहुव्रीहि
5. अन्य पदार्थ प्रधान समास कौन-सा है ?
   (अ) तत्पुरुष (ब) बहुवोहि
   (स) द्वन्द्व (द) इनमें से कोई नहीं
6. "सादरम्" में समास है ?
   (अ) तत्पुरुष (ब) द्विगु
   (स) द्वन्द्व (द) बहुव्रीहि
7. "सुधा" का क्या अर्थ है ?
   (अ) अमृत (ब) मदारी
   (स) महल (द) द्वार
8. संस्कृत भाषा में कितने वचन होते हैं ?
   (अ) एक (ब) दो
   (स) तीन (द) इनमें से कोई नहीं
9. "कवयित्री" में प्रत्यय है ?
   (अ) ङीप् (ब) ङीष्
   (स) णिच् (द) इनमें से कोई नहीं
10. रचनानुवादकौमुदी के लेखक का क्या नाम है ?
   (अ) आचार्य वाचस्पति (ब) आचार्य वरदराज
   (स) डॉ. विष्णुमित्र श्रीवास्तव (द) इनमें से कोई नहीं

----------x----------